विश्व स्नूकर चैंपियनशिप: दिग्विजय का बड़ा उलटफेर रिकार्डधारी नानसेन को हराया; ब्रजेश अंतिम-16 में

पंकज, कोठारी और कमल का दमदार प्रदर्शन; महिला वर्ग में अमी, कीर्तना और अनुपमा की खिताबी उम्मीदें बरकरार

इंदौर

यशवंत क्लब में खेली जा रही आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम है। पुरुष वर्ग में भारत के दिग्विजय कडियन ने बड़ा उलटफेर करते हुए हांगकांग चाइना के रिकार्डधारी नानसेन वान को 4-1 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। वहीं, अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ब्रजेश दम्मानी ने अली अलोबैदली को 4-0 से शिकस्त देकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। दूसरी ओर, ईरान के अमीर सरखोश ने आदित्य मेहता को 4-1 से हराकर उनकी चुनौती समाप्त कर दी।

दिग्विजय की जीत इसलिए खास रही कि नानसेन ने एक दिन पहले ही 138 अंकों का ब्रेक लगाकर प्रतियोगिता का सर्वोच्च ब्रेक रिकार्ड बनाया था। उनके नाम 116 और 100 अंकों के शतकीय ब्रेक भी दर्ज हैं। रिकार्ड प्रदर्शन के बावजूद दिग्विजय ने दबाव में संयमित खेल दिखाते हुए उन्हें शिकस्त दी और अंतिम-16 में जगह बनाई।

ब्रजेश का क्लीन स्वीप, अब कोठारी से मुकाबला - ब्रजेश दम्मानी ने अंतिम-24 के मुकाबले में अली अलोबैदली को लगातार चार फ्रेम जीतकर 4-0 से हराया। ग्रुप चरण में इंग्लैंड के हार्वे चैंडलर से 3-4 की हार के बाद ब्रजेश ने शानदार वापसी की। अब अंतिम-16 में उनका मुकाबला भारत के ही सौरव कोठारी से होगा। इस तरह एक भारतीय खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में पहुंचना तय है। पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में लैंगयी रयान ली ने मलकीत सिंह को 4-2, अमीर सरखोश ने आदित्य मेहता को 4-1 और ध्वज हरिया ने उजैर खान को 4-1 से हराया। मनन चंद्र ने क्रिश गुरबक्षानी को 4-3 तथा रेयान रजमी ने एस. श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन को 4-3 से पराजित किया।

ब्रेक सूची में तीन भारतीय शीर्ष चार में - चैंपियनशिप की सर्वोच्च ब्रेक सूची में नानसेन वान 138 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। भारत के एस. श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन 136 अंकों के ब्रेक के साथ दूसरे, सौरव कोठारी 127 के साथ तीसरे और क्रिश गुरबक्षानी 119 अंकों के ब्रेक के साथ चौथे स्थान पर हैं। 29 बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने भी 111, 109 और 100 अंकों के शतकीय ब्रेक लगाए हैं। वे सूची में आठवें स्थान पर हैं।

कोठारी ने सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को 4-0 से हराने के दौरान 101 और 127 अंकों के ब्रेक लगाए थे। वहीं, क्रिश ने ग्रुप चरण में ईरान के अमीर सरखोश को 4-3 से हराते हुए पहले फ्रेम में 119 अंकों का ब्रेक लगाया था।



पंकज, कमल और कोठारी का ग्रुप में दबदबा - पंकज आडवाणी ने ग्रुप एल के तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने अंतिम मुकाबले में ईरान के शाहिन साब्जी को 4-0 से हराया। इस दौरान दूसरे फ्रेम में 111 और तीसरे में 51 अंकों का ब्रेक लगाया। इंदौर के स्थानीय खिलाड़ी और विश्व पुरुष सिक्स रेड स्नूकर चैंपियन कमल चावला ने भी ग्रुप एफ के तीनों मुकाबले जीतकर नाकआउट में जगह बनाई। उन्होंने सिंगापुर के सनी वांग को 4-2 से हराया। सौरव कोठारी ने ग्रुप जे में तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने 12 फ्रेम जीते और केवल एक गंवाया।

महिला वर्ग में अमी, कीर्तना और अनुपमा से उम्मीदें - महिला वर्ग में इंदौर की अमी कमानी और भारत की कीर्तना पांडियन ने अपने-अपने ग्रुप के चारों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अमी ने फिलीपींस की कार्मिले बुहाट, ईरान की सईदेहसाबा मुसावी, आयरलैंड की एला ओकानर और भारत की अफीफा फखरुद्दीन को हराया।

न्यूज ब्रीफ

सीएसके में कोई धोनी के स्तर तक नहीं पहुंच पायेगा : इरफान पठान



चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को अब महेन्द्र सिंह धोनी जैसा कोई क्रिकेटर नहीं मिलेगा। इरफान के अनुसार कोई भी क्रिकेटर उस स्तर को हासिल नहीं कर पायेगा जो धोनी ने किया है। पठान ने धोनी की इसी विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने जो कुछ किया, जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच को जिस प्रकार से आखिरी तक ले जाकर उसे समाप्त किया वह मुझे नहीं लगता कि सीएसके में कभी कोई कर पाएगा। पठान ने यह भी जोड़ा कि धोनी की मेंटरशिप टीम के लिए अहम होगी पर एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी विरासत को पीछे छोड़ना बहुत कठिन होगा। गौरतलब है कि धोनी ने चेन्नई के लिए 272 मैच खेले, जो फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे अधिक हैं। उन्होंने 5,314 रन बनाए और अपनी कप्तानी में सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाए। करीबी मैचों को आखिरी ओवर तक ले जाकर खत्म करने की उनकी खूबी उनकी पहचान बनी है। पठान ने धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताए समय को याद करते हुए बताया कि वह कप्तान रहते हुए भी हमेशा युवा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे।

पीसीबी ने पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डिट्ज को बनाया महिला टीम का नया कोच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी महिला टीम के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए



उसके लिए एक नया कोच नियुक्त किया है। पीसीबी ने आस्ट्रेलिया के अनुभवी पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को टीम का का नया मुख्य कोच बनाया है। यह नियुक्ति टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसे मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी द्विपक्षीय सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। डिट्ज की राह आसान नहीं है। उन पर शुरुआत से ही टीम को जीत की पटरी पर लाने का दबाव रहेगा। इसी बीच अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए डिट्ज ने कहा कि वह पाकिस्तान महिला टीम का कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डिट्ज ने पीसीबी द्वारा जारी बयान में भविष्य की योजनाओं और टीम के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला, जो उनके दूरदर्शी रुख को दिखाता है। उन्होंने स्पष्ट किया, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। हमारा लक्ष्य समर्थकों को घरेलू मैदान पर उत्साहित होने का अवसर देना है। विश्व कप में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें बहुत सुधार करना है और हम सभी को खिलाड़ियों और स्टाफ के तौर पर विश्व स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए विकसित होना होगा। डिट्ज ने पाकिस्तान के प्रति अपने गहरे लगाव को भी व्यक्त किया, मैं पहले तीन बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका हूं।

हेड की कमी पूरी करने किसी अच्छे बल्लेबाज को शामिल करेंगे : कोच विटोरी

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा है आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस

हेड के नहीं होने के कारण फ्रैंचाइजी अगले माह होने वाली नीलामी में किसी अच्छे बल्लेबाज को शामिल करने का प्रयास करेगी। कोच के अनुसार टीम ऐसे बल्लेबाजों की तलाश करेगी जो टीम की मौजूदा रणनीति के अनुकूल हों और विशेषकर हैदराबाद की परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने साथ ही कहा कि हर टीम अपने दल की कमियों को दूर करने की कोशिश करती है और सनराइजर्स भी दूसरी टीमों से रिलीज हुए खिलाड़ियों पर नजर रखेगी, खासकर उन पर जो घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जहां बल्लेबाजी करना शानदार होता है। विटोरी ने यह भी स्पष्ट किया कि मिनी नीलामी में पूरी टीम में बड़े बदलाव करने की जगह पर अपने मौजूदा मजबूत कोर को बरकरार रखते हुए कुछ आवश्यक खिलाड़ियों को जोड़ना चाहेगी। उनका मानना है कि टीम के पास पहले से ही एक मजबूत दल और अच्छी अंतिम ग्यारह है, और ऐसे में नीलामी में उन्हें एक या दो ऐसे खिलाड़ी चाहिय जो टीम को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान दे सकें। उनका मानना है कि यह रणनीति टीम को स्थिरता प्रदान करेगी और अचानक बड़े फेरबदल के जोखिम से बचाएगी।वहीं कोच ने हेड को रिलीज करने के फ्रेंचाइजी के फैसले का कारण बताते हुए कहा कि इस बारे में क्रिकेटर ने ही अनुरोध किया था। विटोरी ने बताया कि हेड ने आस्ट्रेलिया के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल को देखते हुए अपने को लीग के लिए अनुपलब्ध रखने का निर्णय लिया था, इसी कारण उन्हें रिटेन नहीं किया गया।विटोरी ने हेड के टीम में न होने पर दुख व्यक्त किया और कहा कि पिछले तीन वर्षों में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार भी जताया।

वेलिंगटन टेस्ट दूसरा दिन : जायसवाल-राहुल ने भारत को दिलाई मजबूत शुरुआत, 1 विकेट पर बनाए 159 रन

जायसवाल 85 रन बनाकर आउट; राहुल ने जड़ा अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने निकोल्स के नाबाद 175 और फिलिप्स के 118 रन की बदौलत पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई 130 रन की शानदार साझेदारी की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मजबूत शुरुआत की है। न्यूजीलैंड की पहली पारी के 368 रन के जवाब में भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए हैं। इस तरह भारत अब न्यूजीलैंड से 209 रन पीछे है, जबकि उसके नौ विकेट सुरक्षित हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर केएल राहुल 52 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि देवदत्त पडिक्कल 15 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे।

भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 85 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने 89 गेंदों का सामना किया और 16 चौके लगाए। हालांकि, वह अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दूसरी ओर, राहुल ने संयम और आक्रामकता का अच्छा संतुलन बनाते हुए नाबाद अर्धशतक पूरा किया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शानदार शुरुआत दिलाई और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया।

जायसवाल और राहुल ने संभाली भारतीय पारी - न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर समाप्त होने के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने सावधानी के साथ पारी की शुरुआत की। भारत ने दूसरे दिन के अंतिम सत्र में अपनी पारी आगे बढ़ाई। उस समय टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 16 रन था।



जायसवाल 11 और राहुल पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की कोशिश की। भारतीय सलामी जोड़ी ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और धीरे-धीरे रन गति बढ़ानी शुरू की। जायसवाल ने हेनरी की गेंदों पर दो चौके लगाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए, जबकि राहुल ने जैकब डफी के खिलाफ आकर्षक शाट लगाकर रन बटोरे।

भारत ने 13.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआती 10 ओवर में भारत ने 23 रन बनाए थे, लेकिन अगले 10 ओवर में 56 रन जोड़कर अपनी रन गति में उल्लेखनीय सुधार किया। 20 ओवर की समाप्ति पर भारत का स्कोर बिना किसी नुकसान के 79 रन था। उस समय जायसवाल 43 और राहुल 34 रन बनाकर खेल रहे थे।

जायसवाल ने जैकब डफी के 22वें ओवर में तीन शानदार चौके लगाए। इनमें उनका स्ट्रेट ड्राइव विशेष रूप से आकर्षक रहा। उन्होंने 66 गेंदों में आठ चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद नाथन स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर भारत ने 23.4 ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

जायसवाल ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और विकेटकीपर के ऊपर से शानदार रैप शाट खेलकर गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। हालांकि, उनकी शानदार पारी का अंत मैट हेनरी ने किया। हेनरी की गेंद पर जायसवाल ने विकेट के पीछे टाम ब्लंडेल को कैच थमा दिया। न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया, जिसमें फैसला गेंदबाज के पक्ष में गया। इस तरह भारत को 27.5 ओवर में 130 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 85 गेंदों में 85 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 16 चौके शामिल रहे।

पहला विकेट गिरने के बाद केएल राहुल ने देवदत्त पडिक्कल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। राहुल ने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने दिन के शेष ओवरों में कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। भारत ने 37वें ओवर में 150 रन पूरे किए और दिन का खेल समाप्त होने तक अपना स्कोर एक विकेट पर 159 रन पहुंचा दिया।

निकोल्स और फिलिप्स के शतकों से न्यूजीलैंड ने बनाए 368 रन - इससे पहले न्यूजीलैंड ने हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए। भारतीय तेज गेंदबाजों ने मैच की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को महज 70 रन पर पांच झटके देकर मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि, इसके बाद निकोल्स और फिलिप्स ने छठे विकेट के लिए 216 रन की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाल दिया।

दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने अपनी पारी छह विकेट पर 317 रन से आगे बढ़ाई। हेनरी निकोल्स 146 और नाथन स्मिथ 13 रन बनाकर नाबाद थे। दिन के शुरुआती सत्र में निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों के सामने मजबूती से बल्लेबाजी की। फिलिप्स ने 216 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 118 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक था। आकाश दीप ने 94वें ओवर में फिलिप्स को 286 रन के स्कोर पर आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके साथ ही निकोल्स के साथ उनकी 216 रन की साझेदारी समाप्त हुई। फिलिप्स के आउट होने के बाद भी निकोल्स ने एक छोर संभाले रखा और अपनी शानदार पारी जारी रखी। निकोल्स ने दूसरे दिन की शुरुआत 113 रन से की थी। उन्होंने सुबह के सत्र में 33 रन जोड़कर अपना स्कोर 146 तक पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने 175 गेंदों में 150 रन पूरे किए। दूसरे सत्र में भी उन्होंने अपनी बल्लेबाजी जारी रखी और नाबाद 175 रन बनाकर पवेलियन लौटे बिना न्यूजीलैंड की पारी का अंत देखा। उनकी 335 गेंदों की पारी में 21 चौके शामिल रहे। यह उनके टेस्ट करियर का 12वां शतक भी रहा। भारतीय गेंदबाजों ने अंतिम सत्र में समेटी न्यूजीलैंड की पारी दूसरे सत्र में भारत ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को जल्दी समेटने की कोशिश की।

बार्टी और शिंगो साल 2027 हाल आफ फेम के लिए नामांकित किये गये



सेन डियागो

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो कुनिदा को साल 2027 में दिये जाने वाले इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। ये अवार्ड 26 से 28 अगस्त 2027 के बीच न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में होने वाले इंडक्शन समारोह में प्रदान किये जाएंगे।

इस अवार्ड के लिए बार्टी को प्रतिष्ठित खिलाड़ी श्रेणी में चुना गया है, जबकि कुनिदा को व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी में यह सम्मान मिलेगा। यह श्रेणी उन खिलाड़ियों को जगह देती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकार्ड रहा हो। बार्टी, एक तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं, जिन्होंने 2019 में रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन), 2021 में विंबलडन और 2022 में आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी हासिल किया था। 2019 में विश्व नंबर 1 बनीं, उन्होंने कुल 121 हफ्तों तक शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाए रखा, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल थे। वह 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक ईयर-एंड नंबर 1 भी रहीं।आस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के तुरंत बाद, जब वह अपनी सर्वोच्च रैंकिंग पर थीं, उन्होंने खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। वह इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी होंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली पहली आस्ट्रेलियाई महिला बनेंगी। इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए बार्टी ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे आस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक सामूहिक प्रयास था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी होंगे। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकार्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं।

रोहित-कोहली को साल 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में बनाये रखें : मदन लाल



नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल का मानना है अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पड़ेगी। इसलिए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में बनाये रखना चाहिये। साल 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे मदनलाल के अनुसार जितना अनुभव इन दोनो को है उतना अभी किसी अन्य खिलाड़ी के पास नहीं है। विश्व स्तर के मैचो में दबाव के क्षणों में ऐसे खिलाड़ियों का होनो जरुरी रहता है।इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए बने रहना चाहिए। टीम के लिए उनका प्रदर्शन बहुत अहम होगा। बड़े टूर्नामेंटों में टीम को उनके जैसे अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें होती हैं। मुझे भरोसा है कि वे दोनों भी संन्यास से पहले एक दिवसीय विश्व कप जीतना चाहेंगे , पिछली बार खिताब के करीब पहुंचकर भी वे इसे हासिल नहीं कर पाये थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप अभियान का हिस्सा होना चाहिए। पूर्व आलराउंडर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इन जैसे अनुभवी खिलाड़ी दबाव को संभालने और महत्वपूर्ण क्षणों में टीम को जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं।

टोटल चेस फाइनल में गिरी ने बनाई बढ़त, कार्लसन ने शानदार वापसी से जीता मुकाबला

बुडापेस्ट

नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी ने टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फाइनल के पहले दिन ईरान के अलीरेजा फिरोजा को 11-9 से हराकर बढ़त बना ली। खेले गए मुकाबले में गिरी की ब्लिट्ज में बेहतर प्रदर्शन निर्णायक साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच रैपिड मुकाबलों में एक-एक जीत हुई, जबकि फास्ट क्लासिकल गेम ड्रा रहा।

गिरी को खिताब जीतने के लिए केवल जीत या ड्रा की जरूरत है। वहीं, फिरोजा को मुकाबला बराबर कर टाईब्रेक तक पहुंचाने के लिए दूसरे दिन जीत दर्ज करनी होगी। दोनों दिनों के अंक अलग-अलग रखे जाएंगे। यदि दोनों खिलाड़ी एक-एक दिन जीतते हैं या दोनों दिन ड्रा रहते हैं तो आर्मागेडन टाईब्रेक से विजेता का फैसला होगा।

नाकआउट के प्रत्येक दिन सात मुकाबले खेले जाते हैं, जिनमें चार ब्लिट्ज, दो रैपिड और एक फास्ट क्लासिकल गेम शामिल है। ब्लिट्ज में जीत पर एक, रैपिड में चार और फास्ट क्लासिकल में आठ अंक मिलते हैं। ड्रा होने पर दोनों खिलाड़ियों को आधे अंक दिए जाते हैं।

कारुआना ने भी बनाई बढ़त - तीसरे स्थान के लिए खेले जा रहे मुकाबले में अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को पहले दिन 11-9 से हराया। कारुआना ने शुरुआती दोनों ब्लिट्ज गेम जीते। उन्होंने एक जीत सफेद और दूसरी काले मोहरों से दर्ज की। इसके बाद बाकी पांचों गेम ड्रा रहे। कारुआना को तीसरा स्थान हासिल करने के लिए जीत या ड्रा की जरूरत है।

कार्लसन की शानदार वापसी - दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने 17वें स्थान के मुकाबले में व्लादिस्लाव आर्टेमिएव को 11-9 से हराकर दिन का अंत जीत के साथ किया। कार्लसन एक समय 3-9 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने चार में से तीन ब्लिट्ज गेम जीते थे, लेकिन रैपिड के दोनों मुकाबले गंवा दिए। इसके बाद फास्ट क्लासिकल गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज कर उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस प्रतियोगिता में फास्ट क्लासिकल प्रारूप में कार्लसन की यह पहली जीत रही।

पांचवें स्थान के मुकाबले में हंस मोके नीमन ने जान-क्रिजिस्तोफ डूडा



को 13.5-6.5 से हराया। नीमन सातों गेम में अपराजित रहे। उन्होंने शुरुआती तीन ब्लिट्ज गेम और पहला रैपिड गेम जीता। वहीं, 13वें स्थान के मुकाबले में वेस्ली सो ने लेवोन एरोनियन को 12.5-7.5 से शिकस्त दी।

मेजबान देश के रिचर्ड रापोर्ट ने 11वें स्थान के मुकाबले में जोरडेन वान फारेस्ट को 11-9 से हराया। रापोर्ट ने ब्लिट्ज और रैपिड मुकाबलों के बाद 11-1 की अजेय बढ़त बना ली थी। इसके बाद उन्होंने फास्ट क्लासिकल गेम छोड़ दिया, जिससे दिन का अंतिम स्कोर 11-9 रहा।

भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन - भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने 21वें स्थान के मुकाबले में अभिमन्यु मिश्रा को 12-8 से हराकर अच्छी शुरुआत की। ब्लिट्ज मुकाबले 2-2 से बराबर रहे। इसके बाद प्रज्ञानानंद ने पहला रैपिड गेम जीता और बाकी दोनों मुकाबले ड्रा कराए। वहीं, नौवें स्थान के मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी को अर्मेनिया के हाइक मार्टिरोस्यान के खिलाफ 5.5-14.5 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन ने शुरुआती तीन ब्लिट्ज गेम जीते और चौथा ड्रा कराया था। हालांकि, मार्टिरोस्यान ने रैपिड में एक जीत और एक ड्रा के साथ वापसी की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से फास्ट क्लासिकल गेम जीतकर दिन का मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को 23वें स्थान के मुकाबले में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ 4-16 से हार झेलनी पड़ी।

आस्ट्रेलिया के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे सैम हार्पर, इंग्लैंड के खिलाफ मिलेगा मौका

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज सैम हार्पर इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने इसकी पुष्टि की। हार्पर अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर आस्ट्रेलिया के लिए पहला मैच खेलेंगे।

हार्पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर स्काट बोलैंड के बाद पदार्पण करने वाले पहले विक्टोरियाई खिलाड़ी होंगे। बोलैंड ने 2021 में बाक्सिंग डे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए एक पारी में सात विकेट लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, बोलैंड इससे पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके थे, जबकि हार्पर का यह आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मुकाबला होगा।

29 वर्षीय हार्पर को नियमित विकेटकीपर जोश इंग्लिस की गैरमौजूदगी में मौका मिला है। इंग्लिस न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे।

सैम हार्पर ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत में कहा, एक विक्टोरियाई खिलाड़ी होने के नाते मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।

उन्होंने अपने करियर में आए बदलाव और मानसिकता के बारे में कहा, कुछ साल पहले मैंने खुद से एक वादा किया था कि चाहे मुझे एक और बिग बैश लीग खेलनी पड़े, दो और सत्र खेलने पड़ें या फिर बेल्जियम और श्रीलंका में क्रिकेट खेलना पड़े, मैं हर जगह अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलूंगा। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा, खेल का आनंद लूंगा और उसी तरह क्रिकेट खेलूंगा, जैसे अंडर-11 के दिनों में



खेला करता था।।

पिछले 12 से 18 महीनों में बेल्जियम, श्रीलंका और फिर दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट टीम के साथ रहने तक मैंने हमेशा मुस्कुराते हुए क्रिकेट खेला है। मुझे लगता है कि अब मैंने खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालने के बजाय अपनी क्षमता के मुताबिक स्वाभाविक खेल दिखाना शुरू कर दिया है।

हार्पर पिछले सत्र में बिग बैश लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 54 की औसत से 381 रन बनाए थे। इसके अलावा श्रीलंका प्रीमियर लीग में गाल गैलेंट्स की ओर से खेलते हुए 425 रन बनाकर टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

उनके प्रदर्शन का असर राष्ट्रीय चयन में भी दिखा। आस्ट्रेलिया ए की ओर से पदार्पण पर शतक लगाने के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह मिली थी। अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों के सामने टीम संयोजन की चुनौती - आस्ट्रेलिया की टीम को इस सीरीज में कई प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरना होगा। जोश इंग्लिस के अलावा ट्रेविस हेड, मैथ्यू रेनशा, कैमरन ग्रीन और कूपर कोनोली भी न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी चार टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी में जुटेंगे। कैमरन ग्रीन फिलहाल कन्कशन प्रोटोकाल में हैं।

दूसरी ओर, इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक की टीम भी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलेगी। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और सन्नी बेकर को एकदिवसीय सीरीज के बाद आराम दिया गया है। ब्रूक और विकेटकीपर जार्डन काक्स सिडनी में चौथे टी20 मुकाबले के बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना होंगे।

ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम टी20 क्रिकेट में शानदार लय में है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम का लक्ष्य आस्ट्रेलिया में सीरीज जीतना है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम में कुछ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इनमें 18 वर्षीय थामस रेव के अलावा युवा गेंदबाज एडी जैक और हेनरी क्राम्ब शामिल हैं।